

उच्च न्यायालय ने जंगली हाथियों पर सुनवाई स्थगति

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश (MP) उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने एक [जनहति याचिका \(PIL\)](#) की सुनवाई स्थगति कर दी।

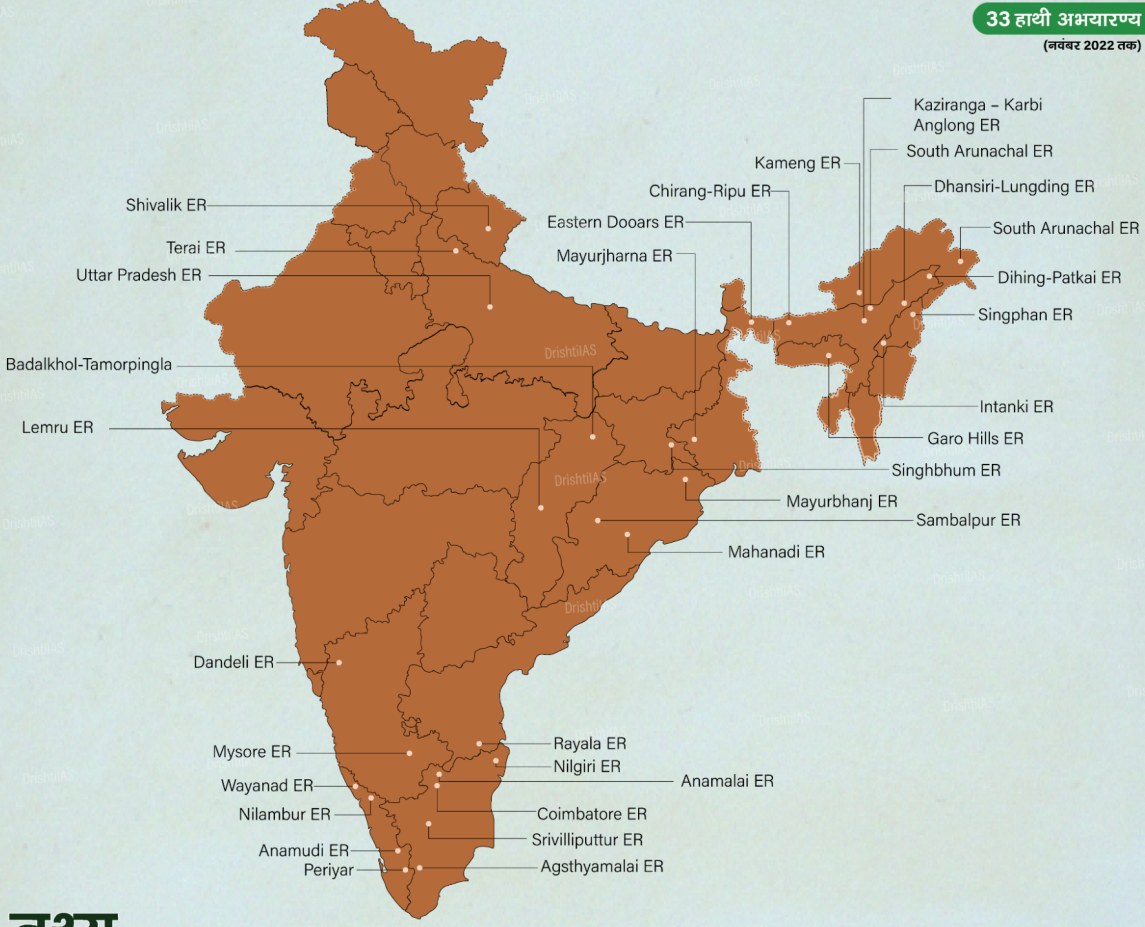
- जनहति याचिका में छत्तीसगढ़ से मध्य प्रदेश की ओर घूमने वाले जंगली हाथियों के संरक्षण और उचित देखभाल की मांग की गई है।

मुख्य बिंदु

- मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने नरिदेश दिया कि मामले को सुनवाई कर रही नयिमति पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।
 - [मुख्य न्यायाधीश](#) की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष पछिली सुनवाई में राज्य सरकार ने न्यायालय को बताया था कि छत्तीसगढ़ से मध्य प्रदेश के वनों में प्रवेश करने वाले जंगली हाथियों के संरक्षण और कल्याण के संबंध में याचिका में उठाए गए मुद्दों की जांच के लिये एक [अध्यक्ष](#) और [छह विशेषज्ञों](#) की एक समिति गठित की गई थी।
- याचिकाकर्ता ने न्यायालय के समक्ष जंगली हाथियों के नियंत्रण में विशेषज्ञता रखने वाले व्यक्तियों की एक सूची प्रस्तुत की।
 - राज्य सरकार ने याचिकाकर्ता के सुझाव के अनुसार राज्य के बाहर के विशेषज्ञों से परामर्श करने के लिये समय मांगा।
- पछिली सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने [बांधवगढ़ टाइगर रजिर्व कषेत्र](#) में **11 जंगली हाथियों की मौत का मुद्दा उठाते हुए** कहा था कि जंगली हाथियों को नियंत्रित करने के लिये मध्य प्रदेश में कोई विशेषज्ञ नहीं है।

हाथी अभयारण्य

33 हाथी अभयारण्य
(नवंबर 2022 तक)



तथ्य

- भारत में तमिलनाडु और असम में हाथी अभयारण्य/एलीफेंट रिज़र्व की संख्या सबसे अधिक (5) है।
- भारतीय हाथी (*Elephas maximus*) को भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I और CITES के परिशिष्ट I में शामिल किया गया है।
- भारतीय हाथी को प्रवासी प्रजातियों पर अभिसमय के परिशिष्ट I और IUCN रेड लिस्ट में 'लुप्तप्राय/संकटग्रस्त' (Endangered) के रूप में भी सूचीबद्ध किया गया है।
- वर्ष 2010 में हाथी को भारत का राष्ट्रीय विरासत पशु घोषित किया गया था।
- MoEFCC हाथी परियोजना/प्रोजेक्ट एलीफेंट के माध्यम से देश के प्रमुख हाथी रेंज राज्यों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है। हाथी परियोजना को भारत सरकार द्वारा वर्ष 1992 में केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में शुरू किया गया था।



बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व

- यह मध्य प्रदेश के उमरिया ज़िले में स्थित है और **वधिय पहाड़ियों** पर वसित है।
 - यह ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, जिसका प्रमाण प्रसिद्ध **बांधवगढ़ कलि** के साथ-साथ संरक्षित क्षेत्र में मौजूद अनेक गुफाएँ, शैलचित्र और नक्काशी है।
- 1968 में इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया तथा 1993 में इसे बाघ अभयारण्य घोषित किया गया।
- यह **रॉयल बंगाल टाइगर** के लिये जाना जाता है।
 - अन्य महत्वपूर्ण शिकार प्रजातियों में **चीतल**, **सांभर**, **काकड़ (भाँकने वाला हरिण)**, **नीलगाय**, **चकिरा**, **जंगली सुअर**, **चौसधिया**, **लंगूर** और **रीसस मकाक** शामिल हैं।
 - **बाघ**, **तेंदुआ**, **जंगली कुत्ता**, **भेड़िया** और **सयार** जैसे प्रमुख शिकारी इन पर निर्भर हैं।

